कानपुर, शनिवार, 21 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 50, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड अमेरिका-चीन फाइटर जेट आमने-सामने...>Pg12

जेल में उम्रकैद, बाहर चलता गैंग? ...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

'शताक्षी' की नजर से दुश्मन के ड्रोन पर होगा सटीक वार

आईआईटी कानपुर का एआई आधारित स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम तैयार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। बदलते युद्ध और आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में ड्रोन अब सबसे बड़ा उभरता खतरा बन चुके हैं। इसी चुनौती के बीच आईआईटी कानपुर ने पूरी तरह स्वदेशी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एंटी-ड्रोन सिस्टम 'शताक्षी' विकसित कर देश को तकनीकी सुरक्षा कवच दिया है। यह प्रणाली करीब डेढ़ किलोमीटर दूर से संदिग्ध ड्रोन की पहचान कर उसे ट्रैक करने और आवश्यक होने पर निष्क्रिय करने में सक्षम है।

परियोजना का नेतृत्व प्रोफेसर इंद्रनील साहा ने किया। संस्थान ने इसके पेटेंट के लिए आवेदन भी कर दिया है। प्रारंभिक परीक्षणों में 'शताक्षी' ने कम ऊंचाई पर उड़ने वाले छोटे और माइक्रो ड्रोन की भी सफल पहचान की, जो पारंपरिक रडार सिस्टम के लिए चुनौतीपूर्ण होते हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि केवल तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कैसे काम करती है तकनीक ?

- 'शताक्षी' एआई-आधारित विजुअल प्रोसेसिंग और उन्नत सेंसर डेटा के संयोजन पर काम करती है।
- रियल-टाइम वीडियो और सिग्नल एनालिसिस
- संदिग्ध उड़ान पैटर्न की पहचान
- खतरे का वर्गीकरण (सर्विलांस/हथियारयुक्त)
- स्वतः अलर्ट और निष्क्रियकरण विकल्प
- यह प्रणाली कम ऊंचाई, धीमी गति और छोटे आकार वाले ड्रोन की पहचान में विशेष दक्षता रखती है।

'शताक्षी' एक नजर में

- तकनीकः एआई आधारित एंटी-ड्रोन
- रेंजः 1.5 किमी
- प्रतिक्रियाः पहचान, ट्रैकिंग, निष्क्रियकरण
- अनुमानित लागतः 25-30 लाख रुपए
- विशेषताः लो-फ्लाइंग माइक्रो ड्रोन पकड़ने में सक्षम
- वर्तमान स्थितिः पेटेंट आवेदन दाखिल
- संभावित उपयोगः सीमा, एयरबेस, एयरपोर्ट, सरकारी प्रतिष्ठान

आत्मनिर्भर रक्षा कवच

विदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम महंगे और तकनीकी निर्भरता बढ़ाने वाले होते हैं। स्वदेशी विकास से लागत और निर्भरता दोनों घटेंगी।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

"ड्रोन सुरक्षा आने वाले दशक की सबसे बड़ी चुनौती है। एआई आधारित स्वदेशी सिस्टम इस चुनौती का टिकाऊ समाधान दे सकते हैं।"

रक्षा मामलों के विश्लेषक

"कम लागत और उच्च दक्षता का संयोजन इसे रणनीतिक रूप से बेहद उपयोगी बनाता है।"

तकनीकी विशेषज्ञ सुरक्षा से निर्यात तक

- यदि सेना में सफल तैनाती होती है तो मित्र देशों को निर्यात की संभावना
- स्टार्टअप और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग का सफल मॉडल
- 'मेक इन इंडिया' और रक्षा आत्मनिर्भरता को बल
- नागरिक सुरक्षा – एयरपोर्ट, परमाणु संयंत्र, वीआईपी कार्यक्रमों में उपयोग

1.5 किमी दूर से पहचान और निष्क्रिय करने की क्षमता रखता है

कम लागत में बड़ी रणनीतिक बढ़त सुरक्षा बलों के लिए बेहद उपयोगी

क्यों है यह बड़ी उपलब्धि

- ड्रोन युद्ध का नया युग
- छोटे ड्रोन अब जासूसी, हथियार गिराने और संवेदनशील ठिकानों की निगरानी के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं। ऐसे में सटीक और त्वरित पहचान अत्यावश्यक है।

रडार की सीमाओं से आगे

पारंपरिक रडार सिस्टम माइक्रो और लो-एल्टीट्यूड ड्रोन को पकड़ने में अक्सर असफल रहते हैं। एआई आधारित पैटर्न एनालिसिस इस कमी को दूर करता है।

बड़े पैमाने पर तैनाती संभव

कम लागत (25-30 लाख) इसे सेना के अलावा राज्य पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लिए भी व्यवहारिक विकल्प बनाती है। परियोजना से जुड़े पूर्व छात्र और स्काई एआई के सीईओ सर्वज्ञ शुक्ला के अनुसार, तकनीकी विवरण सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा किया जा चुका है। सफल मूल्यांकन के बाद इसे भारतीय सेना और अन्य सुरक्षा इकाइयों में शामिल किया जा सकता है।

बस्ती रामकथा मंच से UGC नियमों पर कड़ा विरोध

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज

लखनऊः यूजीसी से जुड़े नए नियामकीय प्रावधानों को लेकर उत्तर प्रदेश में विरोध और बयानबाजी का दायरा बढ़ता नजर आ रहा है। बस्ती में आयोजित रामकथा कार्यक्रम के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य ने इन नियमों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई, वहीं राजधानी लखनऊ में सवर्ण मोर्चा के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर सरकार से नियम वापस लेने की मांग की। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।

बस्ती में रामकथा के मंच से संबोधित करते हुए जगद्गुरु शंकराचार्य रामभद्राचार्य ने (यूजीसी) के नए नियमों पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार को यह कानून वापस लेना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे प्रावधानों की जरूरत क्यों पड़ी और इससे समाज में विभाजन की स्थिति बन सकती है। उन्होंने सरकार से सामाजिक संतुलन और शांति बनाए रखने के लिए नियमों पर पुनर्विचार करने की अपील भी की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और बयान के बाद यह मुद्दा स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया।

लखनऊ में सवर्ण मोर्चा का प्रदर्शन

- पुलिस ने विरोध कर रहे कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको ग्राडेन भेजा, कानून वापसी की मांग तेज
- जगद्गुरु शंकराचार्य रामभद्राचार्य ने कहा कि ऐसे प्रावधानों से समाज में विभाजन की स्थिति बन सकती है।

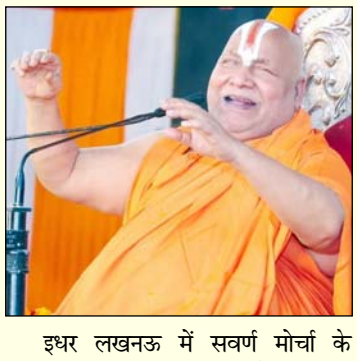

इधर लखनऊ में सवर्ण मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी नियमों के विरोध में संगठित प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी तय स्थान से जुलूस की शक्ल में आगे बढ़े और नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया। पुलिस ने पहले समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ के आगे बढ़ने और बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश के बाद एहतियातन कार्रवाई की गई।

मौके पर तैनात पुलिस बल ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और बसों के जरिए इको गार्डन भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी और यातायात व कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी, इसलिए यह कदम उठाया गया। प्रदर्शन में शामिल संगठनों का आरोप है कि यूजीसी के नए नियमों से प्रवेश, शिकायत निवारण और संस्थागत ढांचे पर असर पड़ेगा तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के साथ असंतुलन पैदा हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आगे और व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

कल्याणपुर में नकली देसी घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

» खाद्य विभाग की टीम की बड़ी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। खाद्य विभाग की टीम ने कल्याणपुर आवास-विकास में विजय ट्रेडिंग कंपनी में छापेमारी करके नकली देशी घी और पूजा घी बनाने की फैक्ट्री का भंडफोड़ किया है। मौके पर फैक्ट्री को सील करके कंपनी संचालक के खिलाफ कल्याणपुर थाने में तहरीर दी गई। टीम ने जांच के लिए नमूने लिए हैं। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने बताया कि देशी घी, तेल और कचरी समेत चार फैक्ट्रियों में छापेमारी हुई है। 25 लाख का माल जब्त करके सीज किया गया है। मिलावटी देशी की फैक्ट्री को सील किया गया है।

पूजा वाला घी के नाम पर चर्बी और रसायन मिलाने की आशंका

टीम ने जांच की तो पता चला कि रिफाइंड ऑयल, वनस्पति और एसेंस का उपयोग कर संदिग्ध खाद्य पदार्थों से देशी घी का निर्माण किया जा रहा था।

टीम ने अन्य तीन जगह दामोदर नगर, विजय नगर और जाजमऊ में छापेमारी करके मिलावट की आशंका पर 14 हजार लीटर तेल और 1350 किलोग्राम कचरी को जब्त किया है। सभी जगह गंदगी में तेल और कचरी बन रही थी। सैंपल लेकर टीम ने 25 लाख के माल को जब्त किया है।

फै ट्री में हड़कंप मच गया

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने आवास विकास तीन निवासी अशोक शुक्ला के घर पर छापेमारी की। वहां पर किराए पर अमन गुप्ता देशी घी और पूजा का घी बनाने की फैक्ट्री विजय ट्रेडिंग कम्पनी के नाम से चला रहा था। छापेमारी होते ही फैक्ट्री में हड़कंप मच गया।

मौके पर रिफाइंड ऑयल, वनस्पति और एसेंस का उपयोग कर संदिग्ध खाद्य पदार्थों से देशी घी का निर्माण किया जा रहा था।

मौके पर कई किलो तैयार घी बरामद हुआ। टीम ने मौके से करीब साढ़े पांच लाख का माल सीज करके छह सैंपल लिए है। टीम ने हजारों लीटर नकली घी, रैपर समेत नकली घी तैयार करने में प्रयुक्त होने वाली सामग्री समेत फैक्ट्री को सीज करके कल्याणपुर थाने में तहरीर दी गई।

एक लाख रुपये की रंगीन कचरी बरामद

जाजमऊ तिवारी स्थित एक कचरी निर्माण स्थल पर छापेमारी की गई, जहां से लगभग 1350 किलो करीब एक लाख रुपये की रंगीन कचरी बरामद की गई।

टीम ने दामोदर नगर स्थित जय बजरंग बली ट्रेडर्स की फैक्ट्री में छापेमारी की।

मौके से मस्टर्ड और पॉमोलीन ऑयल का सैंपल लिया गया है। 198 लीटर का एक ड्रम मस्टर्ड ऑयल और 798 लीटर के चार ड्रम पॉमोलीन ऑयल को सैंपल लेकर सीज किया गया है। विजय नगर में मेसर्स रिद्धी ट्रेडर्स कंपनी में छापेमारी की।

कार्डियोलॉजी के बाहर मेडिकल स्टोर में बिक रही हैं नकली दवाएं

जांच में ब्लड प्रेशर की दवा मिली अधोमानक कंपनी पर मुकदमा दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। ब्लड प्रेशर की दवा अधोमानक मिलने पर औषधि निरीक्षक ने फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड हिमाचल प्रदेश के निदेशक, निर्माण केमिस्ट और विश्लेषक केमिस्ट के खिलाफ मुकदमा दाखिल किया है। अब कोर्ट मुकदमे की सुनवाई करेगी।नवंबर 2024 में हृदय रोग संस्थान में संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में औषधि विभाग ने छापा मारकर दवाओं के नमूने भरे थे। यह नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए थे। जन औषधि केंद्र को सील कर दिया गया था। दवाओं के नमूनों में ब्लड प्रेशर की एक दवा मेट्रेट 50 का नमूना अधोमानक निकल था। तब केंद्र से करीब 300 गोली बेचे जाने की बात सामने आई थी। औषधि निरीक्षक ओमपाल सिंह ने बताया कि शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में मुकदमा दाखिल किया गया है। दवा अधोमानक निकलने पर कंटील फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड हिमाचल प्रदेश के निदेशक, निर्माण केमिस्ट और विश्लेषक केमिस्ट के खिलाफ मुकदमा कराया गया है।

दीनदयालपुरम में अवैध कब्जों पर चलाया गया बुलडोजर

कानपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने जोन-04 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अवैध कब्जों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कानपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने जोन-04 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए प्राधिकरण की भूमि को कब्जामुक्त कराया। इस कार्रवाई से अवैध कब्जेदारों में हड़कंप मच गया, जबकि स्थानीय लोगों ने प्राधिकरण की सख्ती का स्वागत किया।

प्राधिकरण के अनुसार दिनांक 20 फरवरी 2026 को जोन-04 अंतर्गत दीन दयाल पुरम क्षेत्र में प्राधिकरण स्वामित्व की भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। कार्रवाई का नेतृत्व प्रभारी अधिशासी अभियंता सुधांशु श्रीवास्तव ने किया। उनके साथ प्रभारी सहायक अभियंता अर्पण सिंह, अवर अभियंता प्रवर्तन अटल कुमार चतुर्वेदी सहित प्रवर्तन टीम और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

अभियान के दौरान लगभग 3 भूखंड, कुल करीब 200 वर्ग गज क्षेत्रफल में फैले अवैध कब्जों को हटाया गया। टीम ने मौके पर बनी अस्थायी निर्माण संरचनाओं को ध्वस्त कर भूमि को पुनः प्राधिकरण के कब्जे में ले लिया।प्रभारी अधिशासी अभियंता ने स्पष्ट कहा कि प्राधिकरण की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे।कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध कब्जेदारों में भय का माहौल देखा गया, वहीं स्थानीय नागरिकों ने इसे जनहित में आवश्यक कदम बताते हुए प्राधिकरण की पहल की सराहना की।

जेल में उम्रकैद, बाहर चलता गैंग? सलाखों के पीछे से साजिश का खेल!

अपहरण-हत्या में सजायाफ्ता कैदी पर फिर गंभीर आरोप, जेल से नेटवर्क ऑपरेट करने की चर्चा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उम्रकैद की सजा काट रहा एक कुख्यात अपराधी फिर से सुर्खियों में है। अपहरण और हत्या जैसे जघन्य मामले में दोषसिद्ध संजय यादव पर अब जेल के भीतर से ही गैंग संचालित करने और बाहरी आपराधिक घटनाओं में भूमिका निभाने के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। इन दावों ने न सिर्फ जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि कानून-व्यवस्था तंत्र को भी अलर्ट मोड में ला दिया है।

संजय यादव नौबस्ता क्षेत्र में दर्ज अपहरण और हत्या के मामले में अपराध संख्या 648/2009 के तहत दोषी ठहराया जा चुका है। वर्ष 2019 में चर्चित शिवम अपहरण एवं हत्याकांड में अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसी आपराधिक इतिहास के आधार पर उस पर गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, अपराध का सिलसिला यहीं नहीं रुका। वर्ष 2025 में धोखाधड़ी (धारा 420 आईपीसी) के एक अलग मामले में उसे 10 वर्ष की अतिरिक्त सजा भी सुनाई गई। इसके अलावा पनकी क्षेत्र में दर्ज एक अन्य आपराधिक प्रकरण (क्राइम नंबर 28/2025) में भी उसका नाम आपराधिक षड्यंत्र के आरोप में सामने आया है। यह मामला एक व्यापारी के पुत्र पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें हमलावरों के पीछे संगठित साजिश की आशंका जताई गई है।

प्रशासनिक जांच की मांग तेज

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उच्च स्तर पर जांच की मांग उठने लगी है। पुलिस और जेल प्रशासन के बीच समन्वय बनाकर कॉल डिटेल, मुलाकात रजिस्टर, पेशी मूवमेंट और संदिग्ध संपर्कों की जांच की तैयारी बताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है, तो जिम्मेदार कर्मियों पर भी कड़ी कार्रवाई तय मानी जाएगी। फिलहाल यह मामला अपराध जगत और सुरक्षा तंत्र–दोनों के लिए बड़ी चेतावनी बनकर उभरा है।

मोबाइल और बाहरी संपर्क पर सवाल

सबसे गंभीर आरोप जेल के अंदर मोबाइल फोन के इस्तेमाल और बाहरी संपर्क बनाए रखने को लेकर हैं। यदि यह साबित होता है कि आरोपी जेल से ही निर्देश दे रहा था, तो यह सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी सेंध मानी जाएगी। जेल के भीतर अवैध संचार माध्यमों, मुलाकात व्यवस्था और निगरानी तंत्र की भूमिका पर भी उंगलियां उठ रही हैं।

तेज रफ्तार डंपर का कहर, स्कूटी सवार दो दोस्तों की कुचलकर मौत

- इफ्तार के बाद तरावीह के लिए निकले थे, बैराज से लौटते समय हुआ दर्दनाक हादसा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के कोहना थानाक्षेत्र में शुक्रवार रात तेज रफ्तार मिक्सचर डंपर ने स्कूटी सवार दो किशोर दोस्तों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और चालक ने भागने के प्रयास में उन्हें कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक डंपर समेत फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक, चमनगंज थाना क्षेत्र के प्रेमनगर निवासी कपड़ा कारोबारी मो. इकबाल का 16 वर्षीय बेटा अहमद और पड़ोस में रहने वाले फरहत हजहार का 14 वर्षीय बेटा अर्श रोजा रखे हुए थे। इफ्तार के बाद दोनों अपने एक दोस्त अरमान के साथ तरावीह पढ़ने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ता बदलकर गंगा बैराज घूमने चले गए।वापसी के दौरान वीएसएसडी कॉलेज के पीछे सेठ मोतीलाल खेड़िया स्कूल के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद सड़क पर गिरे दोनों किशोरों को चालक ने कुचल दिया। वहीं उनका तीसरा साथी दूसरी स्कूटी पर पीछे आ रहा था, जिसने पूरी घटना देखी।हादसे की सूचना मिलते ही परिजन बदहवास हालत में लाला लाजपत राय अस्पताल पहुंचे। दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। देर रात परिजन पोस्टमार्टम न कराने की मांग पर अड़े रहे।पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 81.60 लाख की ठगी, 25 हजार का इनामिया ठग गिरफ्तार

- नगर निगम में भर्ती का झांसा देकर युवाओं से वसूली, फर्जी ज्वाइनिंग लेटर बांटकर हुआ फरार
- सर्विलांस और मुखबिर तंत्र से अंतरराज्यीय ठग पर कार्रवाई, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नौकरी दिलाने के नाम पर बड़े स्तर पर ठगी करने वाले 25 हजार रुपये के इनामिया शातिर सतनाम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नगर निगम में नौकरी लगवाने का झांसा देकर युवाओं से लाखों रुपये वसूलता था और विश्वास दिलाने के लिए फर्जी ज्वाइनिंग लेटर तक जारी करता था। लंबे समय से फरार चल रहे इस आरोपी को सर्विलांस और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने लखनऊ से दबोचा।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं और वह अंतरराज्यीय स्तर पर ठगी के मामलों में सक्रिय रहा है। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ कर पूरे गिरोह और नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

मामला नौबस्ता के पशुपति नगर निवासी ए.के. बाजपेई की शिकायत से जुड़ा है। उन्होंने वर्ष 2023 में दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया था कि वर्ष 2020 में सतनाम सिंह ने सरकारी विभागों में मजबूत पकड़ होने का दावा किया और नगर निगम में नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया। उसके झांसे में आकर कई अभ्यर्थियों से रकम इकट्ठी कर आरोपी को दी गई।

शिकायत के मुताबिक कुल 81.60 लाख रुपये नौकरी दिलाने के नाम पर लिए गए। भरोसा मजबूत करने के लिए आरोपी ने कई युवाओं को फर्जी ज्वाइनिंग लेटर भी थमा दिए। बाद में दस्तावेजों की जांच में वे सभी कागजात नकली निकले। जब पीड़ित पक्ष ने पैसे वापस मांगे तो आरोपी टालमटोल करता रहा और दबाव बढ़ने पर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को लखनऊ के जानकीपुरम इलाके से गिरफ्तार किया। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर अन्य साथियों, बिचौलियों और संभावित पीड़ितों की भी पहचान की जा रही है।

खबरः एक नजर में...

- नौकरी दिलाने के नाम पर 81.60 लाख रुपये की ठगी
- नगर निगम में भर्ती का झांसा देकर युवाओं को बनाया निशाना
- भरोसा दिलाने के लिए फर्जी ज्वाइनिंग लेटर जारी
- वर्ष 2023 में दर्ज हुआ था मुकदमा, 2020 से चल रहा था खेल
- आरोपी पर घोषित था 25,000 का इनाम
- लंबे समय से फरार चल रहा था शातिर ठग
- लखनऊ के जानकीपुरम से सर्विलांस के जरिए गिरफ्तारी
- आरोपी के खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज
- अंतरराज्यीय ठगी नेटवर्क की जांच जारी
- पुलिस अन्य साथियों और पीड़ितों की तलाश में जुटी

10 दिन के पिल्ले को उठा ले गया बंदर

5 घंटे बाद पुलिस ने बचाई जान

» गांव में बंदरों के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों में दहशत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना के नहोली गांव में शुक्रवार को ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने पूरे मोहल्ले की सांसें थाम दीं। महज 10 दिन के मासूम पिल्ले को एक बंदर उठा ले गया और कई घंटों तक उसे अपना बच्चा समझ कर गोद में लेकर गांव में घूमता रहा। पिल्ला लगातार रोता रहा, लेकिन बंदर उसे छोड़ने को तैयार नहीं था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बंदर पिल्ले को कभी छत पर कभी पेड़ पर तो कभी दीवारों पर लेकर बैठ जाता। करीब पांच घंटे तक यह सिलसिला चलता रहा लोग पिल्ले के बचाने के

112 को सूचना देने वाले विनोद उर्फ़ राजा

फिराक में लगे रहे आखिरकार बंदर पिल्ले को एक बंद पड़े मकान की दूसरी मंजिल की खुली छत पर छोड़ गया।

इसी बीच नहोली निवासी विनोद उर्फ राजा त्रिवेदी ने सूझबूझ दिखाते हुए 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पीआरवी टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद पिल्ले को सुरक्षित नीचे उतारा मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। दिलचस्प बात यह रही कि पुलिसकर्मियों ने प्यार से उस

पिल्ले का नाम ही 100 नंबर रख दिया।इस घटना ने गांव में बंदरों के बढ़ते आतंक को फिर उजागर कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों का झुंड आए दिन घरों में घुस जाता है, बच्चों और बुजुर्गों को दौड़ा लेता है। कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी न हो।

रेल यात्रा में मान्यता प्राप्त सम्पादकों व पत्रकारों की रियायत बहाली की माँग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रेल यात्रा के दौरान मान्यता प्राप्त सम्पादकों व पत्रकारों को किराये में मिलने वाली रियायत की बहाली की माँग करते हुए एसोसियेशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया के उत्तर प्रदेश राज्य इकाई के अध्यक्ष श्याम सिंह पंवार ने रेलमंत्री, भारत सरकार, अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखा है।रेलमंत्री को लिखे गये पत्र में कहा गया है कि मान्यता प्राप्त सम्पादकों व पत्रकारों को कोविड-19 महामारी के दौरान से रेल यात्रा में मिलने वाली रियायतों से वंचित कर रखा गया है। जबकि अपनी ड्यूटी / संस्थान के कार्यों के सम्बन्ध में सम्पादकों / पत्रकारों को देश के

विभिन्न हिस्सों में यात्रा करनी पड़ती है, अतः आर्थिक दृष्टि से सहूलियत देना जरूरी है। इस विषय पर ध्यानाकर्षित करते हुए श्री पंवार ने रेलमंत्री से मांग की है कि मान्यता प्राप्त सम्पादकों व पत्रकारों की रेलवे पास/किराये में रियायत की सुविधा को शीघ्र अति शीघ्र बहाल किया जाये।

अन्नदाता की फसलों को आवारा पशुओं से बचाने के लिए फ्री में होंगी तारबंदी

मुख्यमंत्री योगी को भेजा पत्र, प्रमुख सचिव ने दिया जवाब

फर्रुखाबाद द्य आवारा पशुओं से अन्नदाता की फसलों को बचाने के लिए गौशालाए खोली गई थी लेकिन इसके बावजूद अन्नदाता की फसलों को आवारा पशु क्रूरता से कुचल कर बर्बाद कर रहे थे यही नहीं सर्दी हो या गर्मी से खेतों में खड़ी लाखों रुपए की फसलों का नुकसान देख कर किसान कराह उठता था और रात रात जागकर अपनी फसलों को बचाने का प्रयास की करता लेकिन इस क्रूरता को रोकने में नाकाम साबित हो रहा है, किसानों की इस समस्या को लेकर आलू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

विकास एवं विपणन सहकारी संघ लि. के निदेशक एवं अधिवक्ता अशोक कुमार कटिहार ने मुख्यमंत्री को इस समस्या से किसानों को निजात दिलाने के लिए पत्र भेजा और लिखा कि मुख्यमंत्री जी फ्री तारबंदी योजना शुरू कराई जाए जिससे आवारा व जंगली जानवरों के कारण किसानों की

फसल में भारी नुकसान होता है आवारा गोवंश से संरक्षण व फसलों के नुकसान को देखते हुए प्रदेश में गौशालाये भी स्थापित की गई है लेकिन फसल नुकसान को रोकने हेतु समुचित प्रभावी नहीं है सक्षम किसान तो तार बंदी कर लेते है लेकिन छोटे व मझोले किसान आर्थिक समस्या के कारण तारबंदी नहीं कर पाते है। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश में तार बंदी योजना शुरू कराई जाए।

जिससे किसानों को काफी लाभ होगा और औसत उपज में भी वृद्धि होगी। इस पत्र का जबाव सी एम के सचिव ने 16 फरवरी को किसान किसान नेता अशोक कुमार कटिहार के पास भेजा है।

उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर स्वीकृत मिल गई है अब जल्द ही छोटे किसानों को इसका पूरा लाभ मिलेगा उनका कहना है कि यह योजना पूरे प्रदेश में लागू करने की मांग की गई थी क्योंकि आवारा पशुओं से किसान की खेतों में खड़ी फैसले बर्बाद ही नहीं जाती बल्कि किस भी बर्बादी की कगार पर पहुंच जाता है।

सम्पादकीय

फर्जी दावे से राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आंच

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरुआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। इसके साथ ही हमें एआई जगत में अपनी विश्वसनीयता भी कायम करनी होगी। ताकि फिर किसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी की खुरापात से देश की फजीहत न हो। बल्कि हमारा शोध व विकास का तंत्र इतना मजबूत हो कि फिर हमारे किसी संस्थान को विदेशी उत्पाद को अपना नवाचारी उत्पाद बताने की जरूरत न पड़े। अन्यथा न केवल एआई समिट बल्कि देश की गरिमा को भी आंच आ सकती है। देश में शोध-अनुसंधान से जुड़े संस्थानों व विश्वविद्यालयों को सोचना होगा कि आज के कृत्रिम मेधा व इंटरनेट के जमाने में किसी खोज के बारे में फर्जी दावा कर पाना संभव नहीं है। बल्कि ऐसे कृत्य से उस संस्थान व देश की प्रतिष्ठा को आंच ही आती है। लेकिन इस राह में कामयाबी हासिल करने के लिये देश में शोध-अनुसंधान की बुनियाद मजबूत करने की जरूरत है। अन्यथा देश को छद्म दावों से असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

कट्टर दक्षिणपंथ की तरफ खिसकती धुरी

यशवंत सचदेव

मानवता के लिए सदा से चुनौती रही है कि तकनीकी क्रांति को काबू में कैसे रखा जाए। चाहे वह संहारक अस्त्र-शस्त्र हों। इसमें लोकतांत्रिक संस्थानों की सकारात्मक भूमिका रही। अब ऐसे दौर में जब कट्टर दक्षिणपंथी विचारधारा की लहर है,...मानवता के लिए सदा से चुनौती रही है कि तकनीकी क्रांति को काबू में कैसे रखा जाए। चाहे वह संहारक अस्त्र-शस्त्र हों। इसमें लोकतांत्रिक संस्थानों की सकारात्मक भूमिका रही। अब ऐसे दौर में जब कट्टर दक्षिणपंथी विचारधारा की लहर है, दुनिया कुछ तानाशाह शासकों के रहमोकरम पर है।मनुष्य के विकास क्रम में 'नियंत्रित आग' की क्षमता हासिल करना शायद सबसे अहम पलों में एक था, क्योंकि एक बड़े आकार का दिमाग होने एवं जटिल गणना करने की उसकी क्षमता के लिए ईंधन के रूप में जितनी मात्रा में कैलोरी की जरूरत होती है, वह पका हुआ भोजन मिलने से संभव हुआ

इंसानी दिमाग शरीर की कुल ऊर्जा का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा खर्च करता है)। ऐसा माना जाता है कि आग ने इंसानों की भोजन हजम करने वाली क्षमता बढ़ाने में मदद की, जिसके अभाव में अन्य जीव-जंतुओं के दिमाग छोटे रह गए। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में जैविक मानव-विज्ञान के प्रोफेसर रिचर्ड रैंगहम ने इसे 'कुकिंग हाइपोथिसिस' का नाम दिया है। दूसरे शब्दों में, मनुष्य के जिन पूर्वजों ने 'नियंत्रणयुक्त आग' की सामर्थ्य विकसित की, वे न केवल अपने समय के बल्कि सर्वकालिक खोजकर्ता/वैज्ञानिक गिने जाएंगे।ऋग्वेद की सर्वप्रथम पंक्ति है 'अग्निमीले पुरोहितं यज्ञस्य देवामृत्विजम?, होतारं रत्नधातमम्' अर्थात् 'अग्नि की मैं आराधना करता हूं, वह जो ईश्वर के सम्मुख प्रज्वलित है, देवता जो देखता है सत्य को, योद्धा, और है भरपूर आनंद प्रदाता'। यह अग्नि देव का आह्वान है, जिसमें उनकी स्तुति मनुष्य और दिव्य ऊर्जा के बीच माध्यम के रूप में की गई है। 'नियंत्रणयुक्त आग' और पके भोजन की बदौलत इंसान की सूझबूझ खोज एवं आविष्कार करने में तरक्की करती गई। हालांकि, मध्य युग के महान वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं ने ज़बरदस्त तरक्की की थी, तथापि बड़ी छलांग औद्योगिक क्रांति के समय लगी, जिसके दौरान इंसानी सूझबूझ एवं आविष्कारों की एक बड़ी लहर देखी गई। इसने पूरे यूरोप में लोकतांत्रिक आंदोलनों को भी जन्म दिया। विज्ञान के साथ-साथ साहित्य भी फला-फूला।लोकतांत्रिक शासन और संस्थानों के विकास के कारण औद्योगिक क्रांति के परिणाम अभी भी काफी हद तक मनुष्यता के नियंत्रण में थे। ये स्वभाव से उदार थीं, जब तक कि जर्मनी, स्पेन और इटली जैसे राज्यों में तानाशाही का उदय नहीं हुआ, जिसने इन देशों की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर दिया। हालांकि, प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ज़बरदस्त जनसमर्थन के चलते लोकतंत्र कायम रहा। इस समय ने अगली बड़ी छलांग देखी— आण्विक ऊर्जा, जिसने सांस थामे बैठी दुनिया पर कहर बरपा दिया। सौभाग्य से, दुनिया में सहमति बनी और इस ऊर्जा को नियंत्रण में रखने के लिए संस्थान बनाए गए। परमाणु संपन्न शक्तियों ने संधियों पर हस्ताक्षर किए और उनपर अमल किया।

ऐसा हमारे लोकतंत्रों, उदारवादी सरकारों और संस्थानों की वजह से संभव हो पाया।आज जब इंसान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम कंप्यूटर विकसित करने में लगा है और चूंकि ये दोनों साथ मिल रहे हैं, ऐसे में 'सेंटिएंट' एआई (चेतन कृत्रिम बुद्धिमत्ता) की तगड़ी संभावना है। सैद्धांतिक तौर पर यह ऐसा एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) है जो स्वयं सोच-विचार कर सके और अपने फैसले खुद ले सके। क्या हम एक बार फिर से अहम मोड़ पर हैं... क्या मनुष्य अगली 'नियंत्रित आग' विकसित करने ही वाला है तकनीक के विकास के साथ-साथ मानवता के विकास के लिए सदा से चुनौती रही है कि पैदा की गई आग को 'काबू में कैसे रखा जा सके', क्योंकि नियंत्रण न रहने पर यह तबाही मचा देगी।

न्याय की भाषा और भाषा का न्याय

जन-मन की भाषा

पुष्परंजन

न्याय केवल एक आदेश पत्र नहीं है, बल्कि पीड़ित के मन में उपजी वह संतुष्टि है जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि उसकी बात सुनी गई। जिस दिन एक आम भारतीय अपनी अदालत के फैसले को स्वयं पढ़कर गौरव महसूस करेगा, उसी दिन हम भारत के लोग का संवैधानिक वादा पूरा होगा।

कसी भी जीवंत लोकतंत्र की सफलता नागरिकों और संस्थाओं के बीच अटूट संवाद पर टिकी है, लेकिन भारतीय अदालतों में यह डोर अक्सर भाषाई बाधाओं के कारण टूट जाती है। कल्पना कीजिए उस मुवक्किल की, जिसके जीवन का फैसला उसकी अपनी भाषा में नहीं हो रहा। हाल ही में न्याय की देवी की आंखों से प्रतीकात्मक पट्टी तो हटा दी गई ताकि यह संदेश जाए कि न्याय सबको देखता है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं हुआ।

आज भी जब अदालत की कार्यवाही मुवक्किल के लिए 'विदेशी' भाषा में होती है तो लगता है कि आंखों की पट्टी अब 'भाषाई पट्टी' में बदल गई है। निष्पक्षता का नया प्रतीक आज भी आम नागरिक 'बौद्धिक रूप से बहिष्कृत' करने वाले औपनिवेशिक भाषाई औजार के सामने बेबस है। इस विडंबना का सबसे मार्मिक दृश्य तब उभरता है जब जीवन भर की कानूनी लड़ाई लड़ने वाला व्यक्ति फैसले के बाद अपने ही वकील से पूछता है'साहब, मैं जीता या हारा?' यह सवाल उस व्यवस्था पर मूक प्रहार है जहां न्याय तो होता है, पर वह पीड़ित की समझ से कोसों दूर रहता है।

लोकतंत्र की असली परिपक्वता तभी सिद्ध होगी जब न्याय की भाषा और पीड़ित की भाषा का यह फासला खत्म होगा और कानून वास्तव में 'जनता की भाषा' में संवाद करेगा। भारत में उच्च न्यायपालिका की भाषा मुख्य रूप से अंग्रेजी है, जो लॉर्ड

मैकाले की उसी शिक्षा नीति की विरासत है, जिसका लक्ष्य भारतीयों को उनकी जड़ों से काटना था। आज 'आजादी के अमृत काल' में भी अनुच्छेद 348(1)(क) के कारण सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की कार्यवाही अंग्रेजी में ही होती है। यह विडंबना है कि जिस देश की 90 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी नहीं जानती, वहां के सबसे बड़े अदालती फैसले उसी भाषा में दिए जाते हैं।अदालतों में मुवक्किल की स्थिति उस मूकदर्शक जैसी होती है जो अपनी ही कहानी को किसी और की जुबानी, एक अनजान भाषा में सुन रहा है। वह वकील की दलीलों पर केवल गर्दन हिलाता है, उन्हें समझता नहीं। 'भाषा का न्याय' तब खंडित होता है जब एक ग्रामीण किसान को यह समझने के लिए अनुवादक की आवश्यकता पड़ती है कि फैसला उसके हक में है या खिलाफ। यह अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का सूक्ष्म उल्लंघन है, क्योंकि 'न्याय तक पहुंच' में उसे 'समझना' भी शामिल है।न्याय की भाषा केवल अंग्रेजी होने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पुराने लैटिन शब्दों के भारी बोझ से भी दबी हुई है। उत्प्रेषण, पूर्व न्याय और दूसरे पक्ष को भी सुनो जैसी कानूनी शब्दावलियां एक आम नागरिक के लिए किसी अबूझ पहेली या जादू-टोने के मंत्र जैसी प्रतीत होती हैं। समय-समय पर न्यायपालिका में इस पर बहस हुई है। 'मधु लिमये बनाम वेदानंद शर्मा (1970)' के मामले में जब मधु लिमये ने हिंदी में बहस की अनुमति मांगी, तो उसे खारिज कर दिया गया। इसके विपरीत, यदि हम वैश्विक परिदृश्य देखें, तो फ्रांस में फ्रांसीसी, जर्मनी में जर्मन, जापान में जापानी और चीन में मंदारिन का प्रयोग होता है। वहां कानून को 'आम आदमी की समझ' से बाहर की चीज नहीं माना जाता। भारत में तर्क दिया जाता है कि अंग्रेजी हमें वैश्विक व्यवस्था से जोड़ती है, लेकिन क्या यह तर्क उस गरीब की संतुष्टि से बड़ा है जिसे अपनी हार या जीत का कारण ही समझ नहीं आता?डिजिटल युग में 'सुवास' (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर) जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का विकास भाषाई दीवार को गिराने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो अदालती फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में सुलभ बना रहा है। हालांकि, अनुवाद कभी भी अभिव्यक्ति का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता क्योंकि इसमें अक्सर कानूनी बारीकियां और संवेदनाएं खो जाती हैं।

बिल्हौर के जंगल में गोलियों की गूंज, नीलगाय का शिकार, विरोध पर युवक को चाकू मारा

❑ गौकशी की सूचना पर पुलिस के हाथ-पांव फूले ❑ जांच में नीलगाय के शिकार का खुलासा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। एकाएक गूंजी गोली की तेज आवाज ने अलीपुर के जंगल की खामोशी चीर दी। ग्रामीण संभल पाते, उससे पहले शिकारियों ने संरक्षित नीलगाय को ढेर कर दिया। विरोध करने पहुंचे युवक पर चाकू से वार कर सनसनी फैला दी गई। घटना बिल्हौर थाना क्षेत्र के अलीपुर करुवा गांव के जंगल की है, जहां शुक्रवार दोपहर यह वारदात हुई।

आरोप है कि शिकारियों ने पहले नीलगाय को गोली मारी, फिर धारदार हथियार से उसका मांस काटना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार दोपहर में जंगल की ओर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आशंका होने पर नितिन शर्मा अपने साथियों सुमित और उमेश के साथ मौके पर पहुंचे। वहां नीलगाय मृत अवस्था में पड़ी थी और तीन युवक उसका मांस काट रहे थे।

विरोध करने पर एक आरोपी ने नितिन पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।सूचना मिलते ही पुलिस मौके

घायल पीड़ित नितिन

पर पहुंची। शुरुआत में गाय काटे जाने की खबर से माहौल तनावपूर्ण हो गया था, लेकिन जांच में मामला नीलगाय के शिकार का निकला। कोतवाल सुधीर कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और वन विभाग की टीम को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। पशु चिकित्साधिकारी की जांच में धारदार हथियार से गला काटे जाने और शरीर पर गोली के छर्रे लगने की पुष्टि हुई। नीलगाय का शव वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया है।

अफवाह से बढ़ा तनाव, जांच में निकली अलग कहानी

सहायक पुलिस आयुक्त मंजय सिंह ने बताया कि अलीपुर करुवा में गाय मारे जाने की सूचना मिली थी, जिस पर पुलिस टीम तत्काल पहुंची। जांच में गाय मारे जाने की सूचना असत्य पाई गई, जबकि नीलगाय के शिकार की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि शिकार की सूचना पर स्थानीय लोगों ने आरोपितों को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना में नितिन, सुमित और उमेश शर्मा के सिर में सामान्य चोटें आई हैं।आरोपित मौके से फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है और अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

आलू बोर्ड गठन की मांग, राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल ब्लॉक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने आलू किसानों की समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम बिल्हौर डॉक्टर संजीव दीक्षित को सौंपा। समिति ने आलू बोर्ड के गठन की मांग करते हुए कहा कि कानपुर, कन्नौज और फर्रुखाबाद जिले के अधिकांश किसान आलू की खेती पर निर्भर हैं, लेकिन पिछले दो वर्षों से फसल का उचित मूल्य न मिलने के कारण किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

ज्ञापन में कहा गया कि आलू के दाम गिरने से किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। सरकार को मसाला बोर्ड, जूट बोर्ड, चाय बोर्ड और मखाना बोर्ड की तर्ज

➪ किसानों को वाजिब दाम दिलाने के लिए मूल्य स्थिरीकरण की उठाई आवाज

पर आलू बोर्ड का गठन करना चाहिए, ताकि मूल्य स्थिरीकरण, वैज्ञानिक अनुसंधान, भंडारण, व्यापार और विपणन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। समिति के महामंत्री नन्द लाल पाल ने कहा कि आलू बोर्ड के गठन से किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिल सकेगा और बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी। समिति ने राज्यपाल से किसानों के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। इस दौरान अध्यक्ष रुपेश कटियार, सुरेश अग्निहोत्री, रामू समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिवराजपुर में फोटोग्राफर पर हमला, कैमरा व नकदी लूटी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र में देर रात शादी समारोह से फोटोग्राफी कर घर लौट रहे युवक पर बदमाशों ने जानलेवा हमला कर लूटपाट कर दी। हमलावरों ने युवक को लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास मौजूद नकदी, मोबाइल फोन व कैमरा लूटकर फरार हो गए। घायल को हैलट अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक काकूपुर गांव निवासी सुनील शुक्ला का शिवराजपुर कस्बे में रेलवे स्टेशन के सामने जीटी रोड किनारे शुक्ला स्टूडियो नाम से फोटो स्टूडियो है। शुक्रवार देर रात उनका भतीजा बिट्टू शुक्ला

➪ शादी से लौटते समय सुनसान रास्ते में घेरकर पीटा, हालत गंभीर

एक शादी समारोह में फोटोग्राफी कर बाइक से घर लौट रहा था। बताया जाता है कि शिवराजपुर से काकूपुर जाने वाले सुनसान मार्ग पर पहले से घात लगाए चार-पांच युवकों ने उसे रोक लिया। विरोध करने पर आरोपितों ने उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।हमले में घायल युवक सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद बदमाश उसके पास से कैमरा, मोबाइल और नकदी छीनकर भाग निकले। शोर सुनकर पहुंचे राहगीरों ने घायल को संभाला और शिवराजपुर थाने पहुंचाया। पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां से हालत नाजुक होने पर हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया। घायल ने पुलिस को कुछ हमलावरों की पहचान बताते हुए नाम भी दिए हैं।शिवराजपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी गई है।

जिला बदर के बाद भी नहीं छोड़ा इलाका, पुलिस ने दबोचा

आदेश का उल्लंघन करने पर गुंडा एक्ट के तहत दर्ज हुआ मुकदमा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। प्रशासन की जिलाबदर कार्रवाई को धता बताते हुए एक युवक के क्षेत्र में सक्रिय होने की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी पहले से ही जनपद बदर किया जा चुका था, लेकिन वह आदेश की अनदेखी कर इलाके में मौजूद मिला।

पुलिस टीम को खबर मिली कि उत्तरीपुरा रेलवे स्टेशन रोड का रहने वाला प्रखर द्विवेदी उर्फ शंकर बिल्हौर क्षेत्र में देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर लालपुर की ओर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास से उसे पकड़ लिया। जांच में पुष्टि हुई कि उसके खिलाफ जारी जिलाबदर आदेश अभी प्रभावी है। इसके बावजूद वह क्षेत्र में मौजूद था। इस

पर उसके खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत नई कार्रवाई दर्ज की गई और उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया। कोतवाल सुधीर कुमार ने बताया कि आरोपी पर पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ही उसके खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई में उपनिरीक्षक अमित सिंह, मनीर कुमार सिंह और सोनू गुप्ता सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

हाईकोर्ट के बेल आदेश में ढिलाई, वर्दी पर गिरी गाज

मंगलपुर थाने के दरोगा व सिपाही निलंबित, विभाग में मची हलचल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अदालत का आदेश कागज़ का टुकड़ा नहीं होता यह संदेश इस बार पुलिस महकमे के भीतर से ही निकला है। उच्च न्यायालय से जारी बेल आदेश के पालन में लापरवाही बरतना मंगलपुर थाना में तैनात दरोगा राजीव कुमार और सिपाही केपी यादव को भारी पड़ गया।

शिकायत मिलते ही विभाग हरकत में आया और दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।बताया जाता है कि संबंधित प्रकरण में जमानत आदेश समय से लागू नहीं किया गया।

मामला जैसे ही उच्चाधिकारियों तक पहुंचा, प्रशासन ने इसे महज़ चूक नहीं बल्कि गंभीर जिम्मेदारी का प्रश्न माना। प्रारंभिक जांच में तथ्य सामने आने के बाद

बिना देर किए कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी डेरापुर सौरभ कुमार वर्मा ने साफ शब्दों में कहा कि न्यायालय आदेशों के पालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने संकेत दिए कि आगे भी अनुशासनहीनता पर कठोर कदम उठाए जाएंगे।घटना के बाद पूरे जनपद में न्यायालय से जुड़े मामलों की फाइलों की समीक्षा तेज कर दी गई है। विभागीय गलियारों में यह कार्रवाई एक चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। कानून की रक्षा का दायित्व निभाने वालों को स्वयं कानून के प्रति और अधिक सजग रहना होगा और इस घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया है कि अब जवाबदेही तय होगी, चाहे वर्दी कितनी भी मजबूत क्यों न हो।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर झूला छात्र

परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से किया इनकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद कानपुर देहात। कस्बे के गांधी नगर वार्ड में संदिग्ध परिस्थितियों में कक्षा 8 में पढ़ने वाले एक किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में मातम छा गया। वहीं परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा के गांधी नगर वार्ड निवासी करुणा शंकर मिश्रा अभी कुछ वर्ष पूर्व ही कठारा गांव से रसूलाबाद कस्बे में रहने लगे थे। जहां लहरापुर रोड गांधी नगर में उन्होंने थोक किराने की दुकान की और उससे ही परिवार का भरण पोषण करते थे। उनका सबसे बड़ा बेटा कृष्णा मिश्रा कक्षा 8 में आरपीएस कान्वेंट में पढ़ाई करता था। करुणा शंकर मिश्रा अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में चले गए थे। घर में उनका बड़ा बेटा कृष्णा और उसका चाचा जय शंकर था। दोनों ने रात में खीर बनाई और खाकर सो गए। रात्रि को कृष्णा मिश्रा (13) मकान के तलघर में गया जहाँ लोहे के जाल में कपड़े के सहारे स्टूल पर खड़ा होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब उसके चाचा जय शंकर ने देखा तो जानकारी माता रिचा,पिता करुणा शंकर, छोटा भाई हर्ष अन्य स्वजनों को दी वे आनन-फानन में घर आए। जाल को काटकर शव को फांसी के फंदे से उतारा गया। घटनास्थल पर पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार,कस्बा प्रभारी प्रमोद दीक्षित सहित पुलिस बल पहुंचा लेकिन परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

रनियां में वृद्धजनों के लिए आरओ सिस्टम समर्पित,पीएम श्री गतिविधि के तहत अच्छी पहल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जवाहर नवोदय विद्यालय कानपुर देहात द्वारा पीएम श्री गतिविधि के अंतर्गत समाजहित में सराहनीय पहल करते हुए रनिया स्थित वृद्धजन आश्रय सदन में बुजुर्गों के उपयोग हेतु 2 वाटर प्यूरीफायर आरओ सिस्टम समर्पित किए गए।विद्यालय के प्राचार्य आनंद कुमार मिश्रा, शिक्षक आनंद तिवारी और बृजभूषण पाठक ने आश्रम पहुंचकर उपकरण सौंपे तथा वृद्धजनों से संवाद किया। इस दौरान प्राचार्य ने कहा कि बुजुर्ग समाज के मार्गदर्शक होते हैं और आगे भी आश्रम से जुड़े रहकर हर संभव सहयोग किया जाएगा।

समाज सेविका कंचन मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार सामाजिक दायित्व निभाने चाहिए। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में क्रोमियम युक्त जल की समस्या को देखते हुए आरओ सिस्टम लगना बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक था।

बृजभूषण पाठक ने कहा कि भविष्य में भी सीएसआर के माध्यम से सहयोग जारी रहेगा, जबकि आनंद तिवारी ने कहा कि माता-पिता के चरणों में ही स्वर्ग है और आश्रम के सभी बुजुर्गों के लिए वे आगे भी सेवा कार्य करते रहेंगे।

इस अवसर पर आश्रम संचालक राजेंद्र सिंह और प्रबंधक एसडी काला ने इस नेक पहल के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में समाजसेवी राम, ऋषभ तिवारी, मयंक मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यह पहल क्षेत्र में सामाजिक सरोकार और बुजुर्ग सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

किसानों को कृषि पद्धतियों के बारे में दी गई जानकारी

» कीटनाशक के सही प्रयोग के बारे में बताया

मुबारकपुर में आयोजित हुई किसान गोष्ठी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। इंसेक्टिसाइड इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में प्रोडक्ट स्टेवार्डशिप डे के अवसर पर किसानों को सुरक्षा एवं जिम्मेदार कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया गया। इसी क्रम में ग्राम हरीरामपुरवा, मुबारकपुर लाटा, अकबरपुर में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को फसलों में उपयोग होने वाली कीटनाशक एवं अन्य कृषि रसायनों के सही और संतुलित प्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किसानों को बताया गया कि दवाओं का प्रयोग निर्धारित मात्रा में ही करें तथा छिड़काव के समय मास्क, दस्ताने और अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अवश्य करें। इससे उनके स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही खाली पैकेट, बोतल या डिब्बों के सुरक्षित निस्तारण के बारे में भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि रसायनों के खाली डिब्बों को खुले में फेंकना या जल स्रोतों के पास छोड़ना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए उन्हें निर्धारित स्थान पर सुरक्षित तरीके से नष्ट किया जाए, ताकि मनुष्य, पशु, मिट्टी और जल स्रोत सुरक्षित रह सकें।कंपनी की ओर से सुरक्षित एवं जिम्मेदार कृषि को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने किसानों से अपील की कि वे जागरूक होकर वैज्ञानिक पद्धति अपनाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें। इस अवसर पर कंपनी के क्षेत्राधिकारी आशीष कुमार यादव, संदीप कुमार, अभिषेक शुक्ला, कृष्ण कुमार त्रिपाठी एवं भूपेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किए और इस पहल की सराहना की।

कानपुर देहात, फतेहपुर में सड़क हादसा, आठ लोगों की जिंदगी खत्म

ट्रक की टक्कर से चार युवकों की मौत शादी से लौटते वक्त उजड़ गए चार घर

मृतकों की फाइल फोटो

क्षतिग्रस्त हुए वाहन

दो बाइकों पर सवार थे युवक, मेवली मोड़ के पास देर रात हुआ दर्दनाक हादसा

किसी की 6 माह तो किसी की 5 माह की बेटी हुई बेसहारा, परिवारों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। फतेहपुर जिले के ललौली थाना क्षेत्र में मेवली मोड़ के पास बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में चार युवकों की जान चली गई। दो बाइकों पर सवार युवकों को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही दो की मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतकों में 28 वर्षीय गजराज, 26 वर्षीय उमेश पाल, 17 वर्षीय सौरभ द्विवेदी और 21 वर्षीय आकाश यादव शामिल हैं। सभी युवक एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।गजराज के पिता राम सनेही ने बताया कि उनका बेटा सूरत में शटरिंग का काम करता था और चार साल पहले उसकी शादी साधना से हुई थी। उसकी छह माह की एक बेटी है। हादसे के बाद से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं उमेश पाल की भी डेढ़ साल पहले शादी हुई थी और उनकी पांच माह की बेटी है, जो अब पिता के साए से वंचित हो गई।सौरभ द्विवेदी अपने भाइयों के साथ हाल ही में सूरत से घर लौटे थे और परिवार में शादी में शामिल होने आए थे। वहीं आकाश यादव अविवाहित थे और परिवार में दो भाइयों और एक बहन में शामिल थे।

बिंदकी के डीएसपी प्रगीत यादव ने बताया कि रात करीब 10:30 बजे हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान दो और युवकों की मौत हो गई। चारों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।इस दर्दनाक हादसे ने एक साथ चार परिवारों की खुशियां छीन लीं और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

तालाब में गिरी अनियंत्रित ईको कार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

» तेहरवीं से लौट रहे थे सभी, रात में हुआ हादसा, चार घायल, चालक फरार

» खतरनाक मोड़, रिफ्लेक्टर और क्रैश बैरियर न होने से फिर उठे सड़क सुरक्षा पर सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शिवली (कानपुर देहात)। कल्याणपुर-शिवली मार्ग पर बैरी सवाई गांव के पास शुक्रवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में ईको कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब में पलट गई। कार में सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य को गंभीर हालत में बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार कानपुर नगर के कल्याणपुर आवास विकास-3 निवासी राजकिशोर अग्निहोत्री परिवार सहित औरैया जनपद के सहायल गांव में सास की त्रयोदशी में शामिल होकर लौट रहे थे। देर शाम करीब आठ बजे बैरी गांव के पास दो पेट्रोल पंपों के बीच उनकी ईको कार अचानक अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी और पलट गई।

रात के अंधेरे में वाहन को तालाब में गिरते देख आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों और पुलिस ने संयुक्त प्रयास से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवली पहुंचाया। डॉक्टरों ने राजकिशोर अग्निहोत्री (60), उनकी पत्नी स्नेहलता (55), बहू राखी उर्फ हिमांशु अग्निहोत्री (35) और पौत्र शिव (2) को मृत घोषित कर दिया। वहीं कृतिका अग्निहोत्री (30), सुधा (45), वानी (4), कान्हा (5) और सुधांशु (24) को घायल अवस्था में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चालक हादसे के बाद फरार

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार चालक राजकुमार हादसे के बाद किसी तरह बाहर निकल गया और मौके से फरार हो गया। उसके फरार होने से दुर्घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

खतरनाक मोड़ और सुरक्षा इंतजाम नदारद

ग्रामीणों ने बताया कि जहां हादसा हुआ, वहां सड़क के दोनों ओर गहरे तालाब हैं और पास ही तीव्र मोड़ भी है। न तो चेतावनी संकेतक लगे हैं और न ही रिफ्लेक्टर या क्रैश बैरियर। बरसात में तालाब का पानी सड़क तक भर जाता है और कटाव भी होता है। पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन स्थायी सुरक्षा उपाय नहीं किए गए। लोक निर्माण विभाग के जेई राकेश राय ने बताया कि स्थल का निरीक्षण किया गया है और क्रैश बैरियर निर्माण के लिए एस्टीमेट भेजा जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

मृतक महिलाओं की फाइल फोटो

अस्पताल में मचा कोहराम

एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

कई लोग सदमे से बेहोश हो गए। तेहरवीं से लौटते परिवार पर टूटा यह कहर पूरे क्षेत्र को झकझोर गया।

एक बार फिर पंचायत चुनाव की सुगबुगाहट तेज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» मतदाता सूची प्रकाशन के बाद तुरंत आ सकता है चुनाव कार्यक्रम

» रसूलाबाद में 91 ग्राम पंचायत 117 क्षेत्र पंचायत सदस्यों का होना है चुनाव

रसूलाबाद कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश में पंचायत का चुनाव किसी अन्य बड़े चुनावों से भी बड़ा चुनाव माना जाता है। जहां स्थानीय स्तर पर कई जनप्रतिनिधि चुनकर आते हैं। यह चुनाव विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जाता है। कई कारण के चलते मतदाता सूची प्रशासन की तिथि दूसरी बार टाली गई। अब पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची 15 अप्रैल को जारी हो जाएगी। जिसके बाद किसी भी दशा में दावे आपत्तियां नहीं ली जाएंगीं।

वर्ष 2026 में उत्तर प्रदेश में पंचायत के चुनाव होने हैं।

इसी क्रम में राज्य निर्वाचन आयोग ने यह तय कर लिया है कि अब अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 15 अप्रैल को होगा। यानी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन के बाद कभी भी पंचायत चुनाव की डुगडुगी बज सकती है। राज्य निर्वाचन आयोग की इस घोषणा के बाद अब ग्रामीण अंचलों में चुनावी सरगर्मी बढ़ने लगी है।

संभावित दावेदार यह मानकर चल रहे हैं कि 15 अप्रैल के बाद चुनाव की तिथियां की घोषणा हो जाएगी। इसके चलते ग्राम पंचायत सदस्य,क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान,जिला पंचायत सदस्य व ब्लाक प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष पद के दावेदारों ने अपने पक्ष में माहौल बनाना शुरू कर दिया है।

रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत 91 ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान पद का चुनाव होना है। जबकि 117 क्षेत्र पंचायत सदस्यों व 5 जिला पंचायत सदस्यों के पद पर चुनाव होना है। सूत्रों की माने तो पंचायत चुनाव के लिए तमाम प्रशासनिक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

बस केवल अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होना बाकी है। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समय से कभी भी पंचायत चुनाव करा सकता है। 26 मई को उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो रहा है।

वहीं निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है और बहुत जल्द यूपी बोर्ड की परीक्षाएं भी संपन्न हो जाएंगी। इसके चलते अनुमान लगाया जा रहा है की अंतिम मतदाता सूची आने के बाद तुरंत ही चुनाव कार्यक्रम आ सकता है।

यदि ऐसा रहा तो चुनाव लड़ने का मन बनाये प्रत्याशियों के लिए अब ज्यादा समय नहीं है। जिसको लेकर अब गांव-गांव नुक्कड़ सभाएं,चुनावी चर्चा भी तेज दिखने लगी है।

कुछ भी हो इस बार होली के रंग में पंचायत चुनाव का खुमार भी देखने को मिलेगा। जनपद के जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश पर निर्वाचन नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण हेतु संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

जिसके तहत ग्राम पंचायत में निवास करने वाले समस्त नागरिकों से कहा गया है कि वह निर्धारित समय अवधि में अपने नाम का सत्यापन कर आवश्यक दावे आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद किसी भी दशा में कोई नई तिथि नहीं आएगी।

मुंगीसापुर में जेबकतरों ने भैंस बेचकर लौट रहे अधेड़ के एक लाख पार किए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बाजार से घर लौटते वक्त एक युवक की मेहनत की पूरी कमाई पर जेबकतरों ने हाथ साफ कर दिया। मामला मुंगीसापुर बाजार और चौराहे के बीच का है, जहां भीड़भाड़ का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाशों ने करीब एक लाख रुपये पार कर दिए।जानकारी के मुताबिक, डेरापुर क्षेत्र के दीनदयाल नगर निवासी युवक ने अपनी भैंस 55 हजार रुपये में बेची थी। बिक्री की रकम और पहले से रखी नकदी मिलाकर उसके पास करीब एक लाख रुपये थे। दोपहर बाद वह सवारी वाहन से घर लौट रहा था। इसी दौरान भीड़ में किसी ने उसकी जेब काट ली। घर पहुंचकर जब युवक ने जेब टटोली तो रुपये गायब थे। घटना की सूचना पर परिजनों में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने मामले की जानकारी थाना डेरापुर पुलिस को दी है।मुंगीसापुर चौराहे पर इससे पहले भी जेबकटी की घटनाएं सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार और सवारी वाहनों में सक्रिय गिरोह मौके तलाशते रहते हैं और भीड़ का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम देते हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। सवाल यह है कि आखिर बाजार और चौराहों पर सक्रिय इन गिरोहों पर लगाम कब लगेगी मेहनतकश लोगों की गाढ़ी कमाई इस तरह सरेआम लुटती रही तो आमजन का भरोसा कैसे कायम रहेगा।

प्रशासन जागा, आरोपी की अवैध संपत्ति पर चला बुलडोजर

बीच सड़क पिटाई से आहत पूर्व प्रधान ने लगाया फंदा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिस्टम से निराशा कभी-कभी इंसान को उस मोड़ पर ला खड़ा करती है, जहां जिंदगी भी बोझ लगने लगती है। जनपद के बैरी सवाई गांव में ऐसा ही दर्दनाक घटनाक्रम सामने आया, जहां पूर्व प्रधान बीरेंद्र उर्फ सोनू तिवारी ने कथित मारपीट और न्याय न मिलने से आहत होकर फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया परिजनों की तत्परता से उनकी जान तो बच गई, लेकिन हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

बीच सड़क पिटाई, शिकायत पर भी नहीं हुई सुनवाई

आरोप है कि गांव के ही हनीफ और उसके साथियों ने पूर्व प्रधान के साथ सरेआम मारपीट की। पीड़ित का कहना था कि आरोपी ने ग्राम सभा की नवीन परती भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है और प्रतिबंधित हरे पेड़ों की कटान भी कराई है। इस संबंध में उन्होंने कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय पुलिस से गुहार लगाई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा शिकायत के बाद उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित और पीटा गया था न्याय की आस टूटने पर आहत पूर्व प्रधान ने फंदा लगा लिया। समय रहते परिजनों ने उन्हें नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी जिंदगी और मौत के बीच अब भी जंग जारी है

घटना के बाद हरकत में आया प्रशासन

मामले के तूल पकड़ते ही प्रशासन सक्रिय हुआ। जांच के बाद आरोपी हनीफ की संपत्तियों को चिह्नित किया गया और गांव में बुलडोजर चलाकर अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया गया। राजस्व विभाग की टीमें अन्य संपत्तियों की भी पड़ताल कर रही हैं। मैथा के उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी द्वारा कई स्थानों पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई है, जिन पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं रसूलाबाद वन विभाग के अधिकारी सूर्या तिवारी ने जानकारी दी कि आरोपी के ठिकानों से प्रतिबंधित लकड़ी की अवैध कटान का मामला भी सामने आया है ।

बाइकों की भिड़ंत में महिला की मौत, युवती घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद में बेटे के साथ बाइक से दवा लेने जा रही महिला की बाइक सवार युवती से टक्कर हो गई। सीएचसी से रिफर होने के बाद महिला ने रास्ते मे दम तोड़ दिया,जबकि युवती भी घायल हुई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

क्षेत्र के सौंझ कहिंजरी निवासी अनुज कुमार अपनी मां सरोजनी देवी के साथ बाइक द्वारा दवाएं लेने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रसूलाबाद जा रहा था। तभी पहाड़ीपुर पेट्रोल पंप के निकट माल का? पुरवा निवासी बाइक सवार ज्योति सिंह से उसकी भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. दिलदार हाशमी ने सरोजिनी देवी की हालत चिंता जनक देखते हुए प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट कानपुर रेफर कर दिया। परिजन उपचार के महिला को एम्बुलेंस की सहायता से हैलट कानपुर ले जा रहे थे कि रास्ते में महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया की तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या में गूंजा वैश्विक श्रद्धा-संवाद

गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव ने किया रामलला के दर्शन, भारत-गुयाना मैत्री को मिलेगा नया आयाम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी एक बार फिर विश्व-चेतना के केंद्र में है। गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव शनिवार को अयोध्या पहुंचे और आज प्रभु श्रीराम के चरणों में शीश नवाकर आध्यात्मिक ऊर्जा का साक्षात्कार किया। निजी विमान से वे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे, जहां से सीधे श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के लिए रवाना हुए।

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार वे लगभग तीन घंटे परिसर में रहकर मंदिरों का दर्शन, अवलोकन और जानकारी प्राप्त किया।डॉ. जगदेव का यह प्रवास केवल एक औपचारिक दौरा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृतियों और आत्मीय संबंधों का पुनर्जागरण है। भारतीय मूल से जुड़े उनके पूर्वजों का संबंध अमेठी जनपद के पूरे ठाकुरैन गांव से बताया जाता है, जिससे अयोध्या यात्रा को विशेष भावनात्मक महत्व प्राप्त हुआ है।

भव्य स्वागत, अभेद्य सुरक्षा घेरा

उप राष्ट्रपति के आगमन को लेकर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और जिला प्रशासन ने व्यापक सख्त रखा। एयरपोर्ट से मंदिर मार्ग तक कड़े सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण और वीवीआईपी प्रोटोकॉल लागू रहे। पर्वकालीन सतर्कता के बीच सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है।

कूटनीतिक विश्वास का संदेश

नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिटङ्क2026' में सहभागिता के बाद डॉ. जगदेव अयोध्या पहुंचे हैं। भारत आगमन पर उनका स्वागत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से किया गया था।

कूटनीतिक हलकों में इस यात्रा को भारतङ्कगुयाना संबंधों में नई ऊर्जा और विश्वास का संकेत माना जा रहा है। रामलला के दर्शन के साथ यह प्रवास न केवल आध्यात्मिक संवाद को सशक्त करेगा, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को भी और ऊंचाई देगा।

सुल्तानपुर में जयमाल के दौरान दूल्हे की हालत पर शक, बिना विवाह लौट गई बारात

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के बरुआ गांव में एक विवाह समारोह उस समय विवाद में बदल गया, जब जयमाल और अन्य रस्मों के दौरान दूल्हे की तबीयत तथा व्यवहार को लेकर वधू पक्ष को गंभीर संदेह हो गया।

बताया गया कि जयमाल के समय दूल्हा असामान्य स्थिति में दिखाई दे रहा था। आरोप है कि कुछ रस्मों के दौरान उसे सहारे से मंडप तक लाया गया। दूल्हे के चेहरे पर सुस्ती, असामान्य हरकतें तथा बार-बार पानी पीने जैसी बातों से वधू पक्ष के परिजन चिंतित हो गए।स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब 'पांव पखराई' की रस्म के दौरान दूल्हे के पैरों पर पानी डालते ही वह कांपने लगा। यह देखकर वधू पक्ष ने तुरंत रस्में रुकवा दीं और विवाह को लेकर आपत्ति जताई। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने भी स्थिति को देखते हुए समारोह स्थगित करने की सलाह दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। वहां लगभग 8 घंटे तक पंचायत और वार्ता का दौर चलता रहा, किन्तु सहमति नहीं बन सकी। अंततः विवाह संपन्न नहीं हो पाया और बारात बिना दुल्हन के वापस लौट गई।

पुलिस के अनुसार, मामले में दोनों पक्षों के बीच आपसी बातचीत जारी है और अभी तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

इटावा: हाईस्कूल परीक्षा में गणित का पेपर बिगड़ने से परेशान छात्रा ने किया सुसाइड

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा। फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र में दसवीं कक्षा की एक छात्रा ने कथित तौर पर परीक्षा तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। पंखे से लटककर जान देने की इस घटना से इलाके में शोक की लहर फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार 15 वर्षीय अनुष्का गौतम सीबीएसई से संबद्ध विद्यालय में कक्षा 10 की छात्रा थी। उसके पिता सत्यवीर सिंह सीमा सुरक्षा बल में तैनात बताए गए हैं। परिवार ने बताया कि 17 फरवरी से उसकी बोर्ड परीक्षाएं शुरू हुई थीं और पहला पेपर गणित का था, जो उसके अनुसार ठीक नहीं गया था।

परिजनों का कहना है कि परीक्षा देकर लौटने के बाद से ही वह काफी तनाव में रहने लगी थी और बार-बार खराब पेपर की बात कर रही थी। शुक्रवार दोपहर जब उसकी मां और भाई बाजार गए हुए थे, उसी दौरान उसने घर में पंखे से फांसी लगा ली।

शाम को जब परिजन लौटे तो उसे फंदे पर लटका देख उनके होश उड़ गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव उतारकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला परीक्षा तनाव से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में गहरा दुख और स्तब्धता का माहौल है।

उत्तर प्रदेश में शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने की घोषणा

शिक्षा मित्र संगठनों में खुशी, सीएम आदित्यनाथ का जताया आभार

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर। प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि अप्रैल माह से शिक्षामित्रों को 18000 रुपए तथा अनुदेशक साथियों को 17000 रुपए मानदेय दिया जाएगा।घोषणा के बाद शिक्षामित्र संगठनों में खुशी की लहर दौड़ गई। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ कानपुर देहात के जिला अध्यक्ष श्याम सिंह भदौरिया ने मुख्यमंत्री तथा बेसिक शिक्षा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे संगठन के प्रयासों की बड़ी उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से शिक्षामित्र और अनुदेशक मानदेय बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे, जिस पर सरकार ने सकारात्मक निर्णय लिया है। संगठन पदाधिकारियों ने इसे शिक्षाकर्मियों के सम्मान और आर्थिक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

संघ से जुड़े पदाधिकारियों विवेक द्विवेदी, मधुकर सिंह, जगरूप सिंह, नयन सिंह, कल्पना, अर्चना, नागेंद्र, विजय राजपूत, विमल और सुशील सहित अन्य सदस्यों ने इस निर्णय पर एक–दूसरे को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी शिक्षाकर्मियों के हितों के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

भूखी वानर सेना, बेबस रामनगरी श्रद्धा के साए में बढ़ता संकट

समीर शाही स्वराज इंडिया

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी अयोध्या में इन दिनों एक गंभीर और अनदेखा संकट गहराता जा रहा है–भूखी वानर सेना का। सड़कों, मंदिर मार्गों, घाटों और बाजारों में घूमते सैकड़ों बंदर पेट की आग बुझाने के लिए श्रद्धालुओं और दुकानदारों पर निर्भर हो गए हैं। कभी सामान छीनते हैं, कभी हमला कर बैठते हैं। नतीजा जनता भी परेशान, पर्यटक भी त्रस्त।

आस्था, अव्यवस्था और अनदेखी का त्रिकोण

पौराणिक गौरव और आज की विडंबना महाकाव्य रामायण में वानर सेना को भगवान राम का सबसे बड़ा सहारा बताया गया है। हनुमान आज भी भक्ति और शक्ति के प्रतीक हैं। लेकिन विडंबना यह है कि उन्हीं की परंपरा से जुड़े वानर आज भूख और उपेक्षा का शिकार हैं। पहले मंदिरों और अखाड़ों में नियमित भोग और फल-चारा मिलता था, जो अब लगभग बंद हो चुका है।

पर्यटन और व्यापार पर असर

हर दिन हजारों श्रद्धालु रामनगरी पहुंचते हैं, लेकिन बंदरों की बढ़ती सक्रियता उनकी आस्था को डर में बदल रही है। मोबाइल, प्रसाद, बैग और खाने का सामान छिन जाना आम हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि नुकसान बढ़ रहा है, ग्राहक असहज हो रहे हैं, लेकिन समाधान कहीं नजर नहीं आता।

एक करोड़ का सवाल: पैसा गया कहां?

सबसे बड़ा सवाल उस एक करोड़ रुपये का है, जो अभिनेता अक्षय कुमार के सहयोग से वानरों के भोजन के लिए एक धार्मिक संस्था को दिया गया था।

यह राशि विशेष रूप से बंदरों की नियमित सेवा और आहार व्यवस्था के लिए आई थी। लेकिन आज हालात देखकर सवाल उठता है–वह पैसा आखिर गया कहां? न फीडिंग सेंटर बने, न स्थायी व्यवस्था हुई, न पारदर्शिता दिखाई दी। न साधु-संत बोल रहे हैं, न संस्था हिसाब दे रही है।

प्रशासन और समाज की जिमेदारी

नगर निगम, मंदिर ट्रस्ट, वन विभाग और सामाजिक संगठनों की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वानरों के लिए स्थायी भोजन केंद्र बनाए जाएं। रोज़ाना फल, अनाज और पानी की व्यवस्था हो। सवाल सीधा है जहां आस्था पर करोड़ों खर्च होते हैं, वहां भगवान राम की वानर सेना भूखी क्यों है? क्या सेवा के नाम पर आई रकम सिर्फ कागजों में सिमट गई? भूखे बंदर नहीं, भूखा सिस्टम सबसे बड़ा खतरा बन चुका है।

रामनगरी की अभेद्य परिक्रमा

40 करोड़ से 4 किलोमीटर के घेरे में बनेगी अभेद्य दीवार

» 12 मीटर ऊंची और 14 फीट चौड़ी यह दीवार सेंसरयुक्त होगी, जिससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या की पावन धरती पर स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर अब आस्था के साथ-साथ आधुनिक सुरक्षा का भी प्रतीक बनता जा रहा है। रामनगरी में बढ़ती श्रद्धालु संख्या और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय महत्व को देखते हुए मंदिर परिसर के चारों ओर हाईटेक सुरक्षा दीवार का निर्माण तेज़ी से किया जा रहा है। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह दीवार लगभग 70 एकड़ क्षेत्र को घेरते हुए चार किलोमीटर की परिधि तैयार करेगी। 12 मीटर ऊंची और 14 फीट चौड़ी यह दीवार सेंसरयुक्त होगी, जिससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी।

बता दें कि पश्चिमी हिस्से में निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है, जबकि सीधी परिधि के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर काश्तकारों से संवाद जारी है। टेढ़ी बाजार और गोकुल भवन क्षेत्र में पाइलिंग व उत्खनन का कार्य पूरा कर लिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए लगभग तीन दर्जन वॉच टावर बनाए जा रहे हैं, जिनमें से कई तैयार हो चुके हैं। इन टावरों से चौबीसों घंटे निगरानी संभव होगी। आगामी रामनवमी और श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के मद्देनज़र यह व्यवस्था बेहद अहम मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, 19 मार्च को प्रस्तावित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संभावित आगमन से पहले लगभग 100 मीटर दीवार निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तरी हिस्से में 70 मीटर बाउंड्री लगभग अंतिम चरण में है, वहीं गश्ती दल के लिए अंदरूनी सड़क भी विकसित की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुरक्षा दीवार केवल संरचना नहीं, बल्कि आस्था की रक्षा का कवच है। इसके पूर्ण होते ही अयोध्या की पहचान एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक धार्मिक नगरी के रूप में और सुदृढ़ होगी–जहां विश्वास, व्यवस्था और विकास एक साथ आगे बढ़ेंगे।

8 मार्च को होगा पत्रकार होली मिलन समारोह

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। पत्रकार होली मिलन समारोह समिति की ओर से आगामी 8 मार्च को आयोजित होने वाले होली मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सर्किट हाउस में बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने की।

आयोजन प्रभारी रूपेश श्रीवास्तव ने बताया कि 8 मार्च को सहादतगंज स्थित स्टार सिटी होटल में समारोह आयोजित होगा, जिसमें फूलों की होली, वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान तथा पत्रकार परिवार के सदस्यों का अभिनंदन किया जाएगा। प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव ने आयोजन को आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बताया। के.के. मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार समीर शाही, आकाश सोनी, सुबोध श्रीवास्तव, निमिष गोस्वामी और अखंड सिंह ने एकजुटता व सहयोग पर जोर दिया। मीडिया प्रभारी राजेंद्र कुमार दूबे ने बताया कि सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बैठक में कुशल चंद्र मिश्रा, अशोक तिवारी, सुभाष सिंह, अनिल निषाद, करण प्रजापति, पवन पांडेय, दिनेश पाठक, अपूर्व पाठक, नवनीत कौशल, सुमित यादव, प्रशांत शुक्ला, मयंक शुक्ला, क्षितिज साधवानी, नरेंद्र मिश्रा, महेंद्र कवलजीत सिंह गुलजार, अमित, अनूप, प्रशांत सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

अयोध्या में 'रन फॉर राम' मैराथन की जर्सी लॉन्च

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। 'रन फॉर राम' मैराथन के चौथे संस्करण की आधिकारिक जर्सी का वर्चुअल माध्यम से अनावरण किया गया। यह आयोजन 22 फरवरी 2026 को अयोध्या में प्रस्तावित मैराथन से पहले उत्साह बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है। जर्सी लॉन्च कार्यक्रम लता मंगेशकर चौक से जोड़ा गया।

इस मैराथन का आयोजन क्रीड़ा भारती, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जा रहा है, जबकि एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड मुख्य साझेदार है। आयोजकों के अनुसार 'रन फॉर राम 2026' में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन आस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक एकता का संदेश देता हुआ पावन नगरी अयोध्या में राष्ट्रीय गौरव के उत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा।

राजस्थान में अंतिम मतदाता सूची जारी

एसआईआर के बाद 31 लाख नाम हटे, 12 लाख नए वोटर जुड़े

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

जयपुर। चुनाव आयोग ने राजस्थान में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान पूरा कर अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। व्यापक सत्यापन, घर-घर जांच और दस्तावेजी मिलान की प्रक्रिया के बाद राज्य की मतदाता सूची से 31 लाख से अधिक नाम हटाए गए हैं, जबकि 12 लाख नए मतदाताओं को जोड़ा गया है। संशोधित सूची के अनुसार अब प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 15 लाख 19 हजार 929 हो गई है।

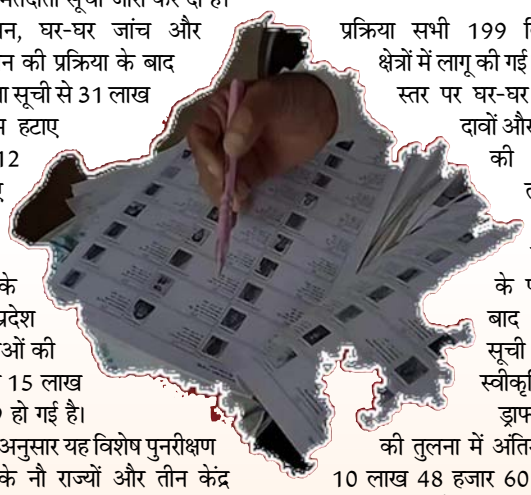

➪ **ड्राफ्ट सूची की तुलना में अंतिम सूची में 10 लाख 48 हजार 605 मतदाता अधिक दर्ज किए गए**

आयोग के अनुसार यह विशेष पुनरीक्षण अभियान देश के नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ चलाया गया, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना था। राजस्थान में यह प्रक्रिया सभी 199 विधानसभा क्षेत्रों में लागू की गई। बीएलओ स्तर पर घर-घर सत्यापन, दावों और आपत्तियों की सुनवाई तथा दस्तावेजों के परीक्षण के बाद अंतिम सूची को स्वीकृति दी गई। ड्राफ्ट सूची की तुलना में अंतिम सूची में 10 लाख 48 हजार 605 मतदाता अधिक दर्ज किए गए हैं, जो लगभग 2.08 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। आयोग का कहना है कि हटाए गए नामों में मृत, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित और डुप्लीकेट प्रविष्टियां प्रमुख रूप से शामिल हैं। वहीं, 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं तथा पात्र नागरिकों को नए मतदाता के रूप में जोड़ा गया है।

चुनाव आयोग का मानना है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता का आधार है। समय-समय पर इस तरह के विशेष पुनरीक्षण से फर्जी मतदान की आशंकाओं पर अंकुश लगता है और वास्तविक मतदाताओं का अधिकार सुरक्षित रहता है। आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी प्रविष्टियों की जांच करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करें।

- स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान संपन्न
- 31 लाख से अधिक नाम मतदाता सूची से हटाए गए
- 12 लाख नए मतदाताओं को जोड़ा गया
- कुल मतदाता संख्या 5,15,19,929 पहुंची
- 199 विधानसभा क्षेत्रों में सूची अपडेट
- ड्राफ्ट सूची की तुलना में 10,48,605 मतदाता अधिक
- कुल वृद्धि लगभग 2.08%
- मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट नामों की पहचान कर विलोपन
- 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं का पंजीकरण
- पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को मजबूत करने पर जोर

इंडो-पैसिफिक में तनाव गहराया

कोरियाई जलक्षेत्र में अमेरिका-चीन फाइटर जेट आमने-सामने, बढ़ी सैन्य हलचल

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में कोरियाई प्रायद्वीप के आसपास इस सप्ताह एक संवेदनशील सैन्य घटनाक्रम ने वैश्विक कूटनीतिक हलकों में चिंता बढ़ा दी है। सैन्य अभ्यास के दौरान अमेरिका और चीन के लड़ाकू विमान आमने-सामने आ गए, जिससे कुछ समय के लिए टकराव जैसी स्थिति बन गई। हालांकि किसी प्रकार की गोलीबारी या दुर्घटना की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस घटना ने क्षेत्र में बढ़ते सामरिक तनाव को उजागर कर दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, कोरियाई क्षेत्र के निकट अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अमेरिकी वायुसेना ने नियमित सैन्य अभ्यास के तहत अपने लड़ाकू विमानों की तैनाती की थी। ये विमान दक्षिण कोरिया के प्योंगटेक स्थित एयरबेस से उड़ान भरकर पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में अभ्यास मिशन पर थे। बताया गया कि अमेरिकी विमान निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर उड़ रहे थे और किसी भी प्रतिबंधित वायुसीमा में प्रवेश नहीं किया था।

इसी दौरान चीनी निगरानी तंत्र ने इन गतिविधियों को ट्रैक किया और तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए अपने फाइटर जेट्स को क्षेत्र में भेजा। चीनी पक्ष ने इसे सुरक्षा निगरानी की "मानक प्रक्रिया" बताया है। चीनी सरकारी मीडिया समूह ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पीपल्स लिब्रेशन आर्मी (PLA) ने पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर रखी और वायु एवं नौसैनिक संसाधनों को अलर्ट मोड में रखा।

➪ **रक्षा मामलों के जानकारों ने कहा, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती सैन्य सक्रियता की रणनीति का हिस्सा**

क्षेत्रीय तनाव की बड़ी पृष्ठभूमि

यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है जब इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सामरिक प्रतिस्पर्धा लगातार तेज हो रही है। विशेष रूप से ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक खींचतान बनी हुई है। दक्षिण चीन सागर में सैन्य गश्त, नौसैनिक अभ्यास और वायु गतिविधियों में भी हाल के महीनों में वृद्धि दर्ज की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की हवाई नजदीकियां (एयर इंटरसेप्ट) भले ही प्रोटोकॉल के तहत हों, लेकिन जोखिम हमेशा बना रहता है। छोटी सी तकनीकी या मानवीय चूक भी बड़े सैन्य और कूटनीतिक संकट में बदल सकती है।

उत्तर कोरिया और जापान फैक्टर भी अहम

क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरण पहले से ही जटिल बने हुए हैं। जापान और चीन के बीच समुद्री सीमाओं और सुरक्षा मुद्दों पर मतभेद जारी हैं। उधर किम जोंग उन के नेतृत्व वाला उत्तर कोरिया हाल के महीनों में अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के संकेत दे चुका है, जिससे पूरे क्षेत्र की सुरक्षा संवेदनशील बनी हुई है। रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती सैन्य सक्रियता "पावर प्रोजेक्शन" की रणनीति का हिस्सा है, लेकिन इससे गलत आकलन का खतरा भी बढ़ जाता है। यदि इस तरह की घटनाओं के लिए स्पष्ट संचार तंत्र और हॉटलाइन सक्रिय नहीं रही, तो भविष्य में बड़ा टकराव भी संभव हो सकता है। कुल मिलाकर, कोरियाई जलक्षेत्र की यह घटना केवल एक सैन्य अभ्यास की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन और इंडो-पैसिफिक में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का संकेत मानी जा रही है।

फोर्सेस कोरिया की ओर से घटना पर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान तुरंत जारी नहीं किया गया। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि यह अभ्यास अमेरिकी बलों का था और इसमें उनकी सेना सीधे तौर पर शामिल नहीं थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें https://epaper.swarajindianews.com